SHIKSHA SAMVAD
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
© Shiksha Samvad|Volume-03| Issue-02| December- 2025
Available online at: https://shikshasamvad.com/
DOI:- https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i2.17

महिला स्वास्थ्य सुधार में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का योगदान – उ0प्र0 के श्रावस्ती जनपद का एक समाजवैज्ञानिक अध्ययन

डॉ0 वेद प्रकाश द्विवेदी
Email-vedprakashd1991@gmail.com

सारांशः– *भोजन मानव की सबसे अधिक मौलिक आवश्यकता है, इसके बिना जीवन यापन कर पाना सम्भव नही है। व्यक्ति इसी की पूर्ति हेतु दिन–रात, भाग–दौड़, मेहनत–मजदूरी, नौकरी–व्यवसाय आदि करता है। जो व्यक्ति नौकरी व्यवसाय आदि करता है, वह तो इस आवश्यकता की पूर्ति आसानी से कर ले जाता है, परन्तु जो व्यक्ति इससे दूर रहता है वह इसे पूर्ण करने में अस्मर्थ रहता है और इसे पानें के लिये संघर्षरत रहता है भारत की एक बृहद आबादी आज भी इस मूल भूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने मे अक्षम है कुछ लोग तो ऐसे हैं जिन्हें दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं होती वें और उनके बच्चें भुखमरी व भिक्षावृत्ति का शिकार हैं। किसी तरह अनाज का प्रबन्ध हो भी जाता है, तो उसको पकानें के लिए गाँवों में परम्परागत रूप से मिट्टी के चूल्हे व लकडी के ईधन का सहारा ही लिया जाता रहा है, जिससे निकला धुआँ महिलाओं के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है, जिससे महिलाओं को अनेक बीमारियॉ घेर लेती हैं। ऐसे में भारत सरकार नें 1 मई 2016 ई0 को ऐसे तमाम गरीब परिवार की महिलाओं को चूल्हे के धुएं से निजात दिलाकर उनके स्वास्थ्य सुधार हेतु प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का संचालन कर गैस सिलेण्डर मुहैया कराया, जिससे उन सभी गरीब महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ और उनके चेहरे पर मुस्कान आयी ऐसे परिवारों के लिए यह योजना वरदान साबित हुई। महिलाओं के जीवन स्तर में कॉफी सुधार हुआ है। महिला सशकितकरण में भी इस योजना की महती भूमिका है।*

मुख्य शब्दः–मौलिक आवश्यकताएं, गरीबी, महिलाएं, उज्ज्वला योजना, ईधन, स्वास्थ्य सुधार

प्रस्तावना–

भारत एक गाँव प्रधान देश है, यहाँ सम्पूर्ण जनसंख्या की **68.8** प्रतिशत जनसंख्या (जनगणना 2011 के अनुसार) गाँवों में निवास करती है। जहाँ लगभग आधा भाग महिलाओं का है। ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी तमाम सुविधाओं का अभाव देखनें को मिलता है, जिसमें एक समस्या महिलाओं का लकडी के चूल्हे से भोजन बनानें की भी रही है। गाँवों में आज भी तमाम महिलाए परम्परागत रूप से मिट्टी के चूल्हे व लकडी के ईधन के सहारे से ही भोजन बनाती है, जिससे निकला धुआँ महिलाओं के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है, जिससे महिलाओं को अनेक बीमारियॉ घेर लेती हैं। भारत सरकार ने गरीब महिलाओं को मिट्टी के चूल्हे से निजात दिलाकर उन्हें स्वस्थ रखकर उनके चेहरे पर खुशी लाने के उद्देश्य से **1 मई 2016** को प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी** जी नें **उत्तर प्रदेश के बलिया** जिले से **उज्ज्वला योजना** की शुरुआत की। इस योजना के तहत **मार्च 2020** तक वंचित परिवारों को **8 करोड़ एल0पी0जी0 कनेक्शन** जारी करनें का लक्ष्य रखा गया था लेकिन इस लक्ष्य को 7 सितम्बर 2019 को ही प्राप्त कर लिया गया जब प्रधानमंत्री जी नें **महाराष्ट्र के औरंगाबाद**

में 8 करोड वें एल0पी0जी0 कनेक्शन का वितरण किया। जो परिवार इससे वंचित रह गये थे उनको **उज्ज्वला 2:0** के तहत **1.6 करोड एल0पी0जी0 कनेक्शन** का आवंटन किया गया। अभी हाल में भारत सरकार नें **75 लाख** और एल0पी0जी0 कनेक्शन के आवंटन को मंजूरी दे दी है जिससे कुल लक्ष्य **10.35 करोड** हो गया है। यह योजना महिलाओं को जीवाश्म ईधन के प्रयोग से निजात दिलाकर उन्हे एल0पी0जी0 सिलेण्डर मुहैया कराकर उस पर भोजन पकाने का अवसर प्रदान करती है।

प्रस्तुत शोधपत्र महिला स्वास्थ्य सुधार में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का योगदानः उ0प्र0 के श्रावस्ती जनपद पर आधारित है। उक्त कार्य शोधकर्त्ता द्वारा यह जानने के लिए किया गया है ,कि भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का श्रावस्ती जनपद की महिलाओं के स्वास्थ्य, जीवन–यापन, सशक्तता आदि पर क्या प्रभाव पडा है। इस योजना के संचालित होने से कुछ परिवर्तन परिलक्षित हुआ है, कि अभी श्रावस्ती जनपद की महिलाएं परम्परागत लकडी के चुल्हे का प्रयोग करते हुए भोजन पकानें के लिए मजबूर हैं और शारीरिक अस्वस्थता का शिकार हैं।

साहित्यावलोकन–

किसी भी शोध कार्य को करनें से पूर्व शोध से सम्बन्धित साहित्य का अवलोकन कर लेना अति आवश्यक होता है,क्योंकि ऐसा करनें से शोध में त्रुटि की सम्भावना कम हो जाती है और शोध में मौलिकता आती है।

रमन देवी (2017) ने अपनें लेख **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनाः मुद्दे एवं चुनौतियाँ** में परम्परागत ईधन का प्रयोग करनें से महिलाओं के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पडता है, का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया है।

जे0 पी0 साहू व अन्य नें अपनें लेख **उज्ज्वला योजना** में बताया कि यह योजना गरीब महिलाओं के लिए वरदान तो साबित हुई है, परन्तु पुनः गैस भरवानें की चुनौती भी गम्भीर है।

विवेक आनन्द (2018) नें **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना स्टेप टू वर्ड सोशल इन्क्ल्यूजन इन इंडिया** में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का महिलाओं पर पडें प्रभावों का अध्ययन कर बताया है, कि यह योजना गरीब महिलाओं के लिए वरदान साबित हुई है।

शोध के उद्देश्य

प्रस्तुत शोधकार्य के निम्न उद्देश्य हैं–

1–प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का कितनी महिला परिवारों को लाभ मिल रहा है।

2–इस योजना का उनके स्वास्थ्य व जीवन यापन पर क्या प्रभाव पडा है।

3–इस योजना के प्रति महिलाओं के क्या विचार हैं।

4–इस योजना के सफल संचालन में आ रही समस्याओं का पता लगाना।

शोध परिकल्पनाए–

प्रस्तुत अध्ययन में निम्न शोध परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया है–

1–प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ श्रावस्ती जनपद के अधिकांश महिलाओं को मिल रहा है।

2–इस योजना से महिलाओं के स्वास्थ्य व जीवन स्तर में निरन्तर सुधार हो रहा है।

3–उक्त योजना से महिलाएं बहुत खुशहाल एवं प्रसन्न है।

4–कुछ महिलाएं इस योजना के लाभ से वंचित हैं।

आंकडा संकलन विधि–

© Shiksha Samvad| Received: 03 December 2025 | Accepted: 10 December 2025 | Published: 15 December 2025

प्रस्तुत शोध कार्य को पूर्ण करनें हेतु प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों स्रोतों का प्रयोग किया गया है प्राथमिक आंकडे साक्षात्कार अनुसूची से भरे गये हैं तथा द्वितीयक आंकडे श्रावस्ती जनपद के विविध कार्यालयों एवं विभागों से प्राप्त किए गये हैं।

अध्ययन का समग्र व निदर्शनः–

महिला स्वास्थ्य सुधार में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का योगदान को जानने के लिए उ0प्र0 के श्रावस्ती जनपद का चयन उददेशपूर्ण निदर्शन विधि द्वारा किया गया हैं। जिसमें सम्पूर्ण गॉवों (ग्राम पंचायत) की संख्या–**397** है। जनपद की सम्पूर्ण जनसंख्या जनगणना **2011** के अनुसार **1117361** है। जिसमें पुरूष जनसंख्या **593897** महिला जनसंख्या **523464** जनपद के समस्त महिला उत्तरदात्रियों से सूचना प्राप्त कर पाना एक दुष्कर कार्य है, इसलिए शोधार्थी द्वारा अध्ययन की सुलभता एवं अनुसंधान की सीमाओं को दृष्टिगत रखते हुए **सम्भावित दैव निर्दशन के लाटरी पद्धति** के द्वारा श्रावस्ती जनपद के तीनों तहसीलों से एक–एक गॉव– तहसील इकौना से–**अकबरपुर,** तहसील भिनगा से–**चितईपुर,** तहसील जमुनहा से–**मल्हीपुर** का चयन किया गया है। जिसमें कुल जनसंख्या (**3 गॉव की**) **6981** है। जिसमें पुरूष जनसंख्या **3644** तथा महिला जनसंख्या **3337** है तथा कुल परिवारों की संख्या (**1210**) है। समग्र की विशालता को देखते हुए चयनित गॉवो में से उत्तरदात्रियों का चयन प्रत्येक गॉवों परिवार की संख्या का **20** प्रतिशत **उदेश्यपूर्ण निदर्शन विधि** द्वारा किया गया है। इस प्रकार सम्पूर्ण अध्ययन कुल **242** उत्तरदात्रियों पर आधारित है। इनकी संख्या का निर्धारण श्रावस्ती जनपद के जनगणना कार्यालय के दस्तावेजों को प्रमाणित मानते हुए किया गया है तथा सम्पूर्ण प्रक्रिया को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

निदर्शन का अभिकल्पः–

क्रमसं0	चयनित गॉव का नाम	गॉव की कुल जनसंख्या	गॉव की पुरुष जनसंख्या	गॉव की महिला जनसंख्या	गॉव के कुल परिवार की संख्या	उत्तरदात्रियों की संख्या (निदर्शन)
1	**अकबरपुर**	1259	0682	0577	232	46 (46.40)
2	**चितईपुर**	3175	1643	1532	526	105 (105.20)
3	**मल्हीपुर**	2547	1319	1228	452	91 (91.40)
	योग	**6981**	**3644**	**3337**	**1210**	**242**

नोट– कुल **1210** परिवारों में से प्रत्येक गाँव के परिवारों की संख्या का **20** प्रतिशत उत्तरदात्रियों का चयन किया गया है इस तरह सम्पूर्ण उत्तरदात्रियों की संख्या **242** है।

निदर्श में चयनित महिला उत्तरदात्रियों से पूछे गये कुछ महत्त्वपूर्ण प्रश्न–

सारिणी सं0–1

उज्ज्वला योजना से लाभ प्राप्त करने के सन्दर्भ में उत्तरदात्रियों का विवरण

क्रम संख्या	आपको उज्ज्वला योजना का लाभ मिला है	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हाँ	126	52.00
2	हम पात्र है फिर भी नही मिला	31	13.00
3	पहले से ही सिलेण्डर उपलब्ध था	68	28.00
4	हम अपात्र है	17	7.00
	योग–	**242**	**100.00**

© Shiksha Samvad| Received: 03 December 2025 | Accepted: 10 December 2025 | Published: 15 December 2025

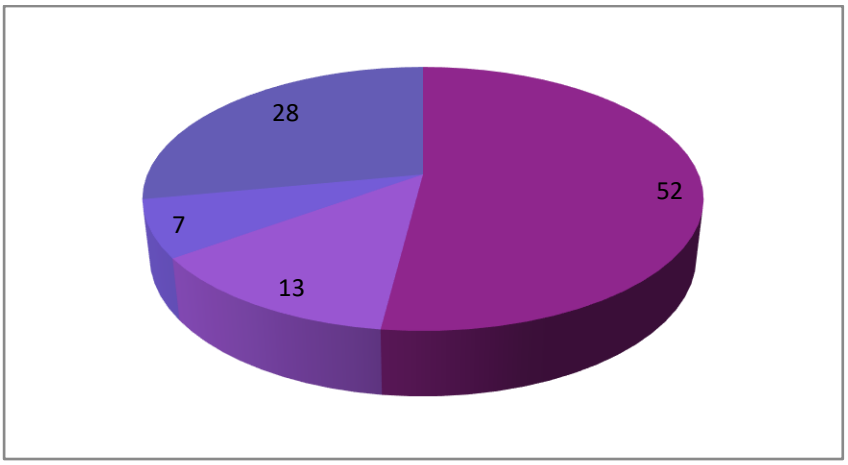

ग्राफ सं0– क

सारिणी सं0–02

उज्ज्वला योजना से महिला स्वास्थ्य में सुधार के सन्दर्भ में उत्तरदात्रियों के विचार

क्रम सं0	उज्ज्वला योजना से महिला स्वास्थ्य में सुधार हुआ है	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हाँ	169	70.00
2	नही	22	09.00
3	कुछ कह नहीं सकते	51	21.00
	योग	**242**	**100.00**

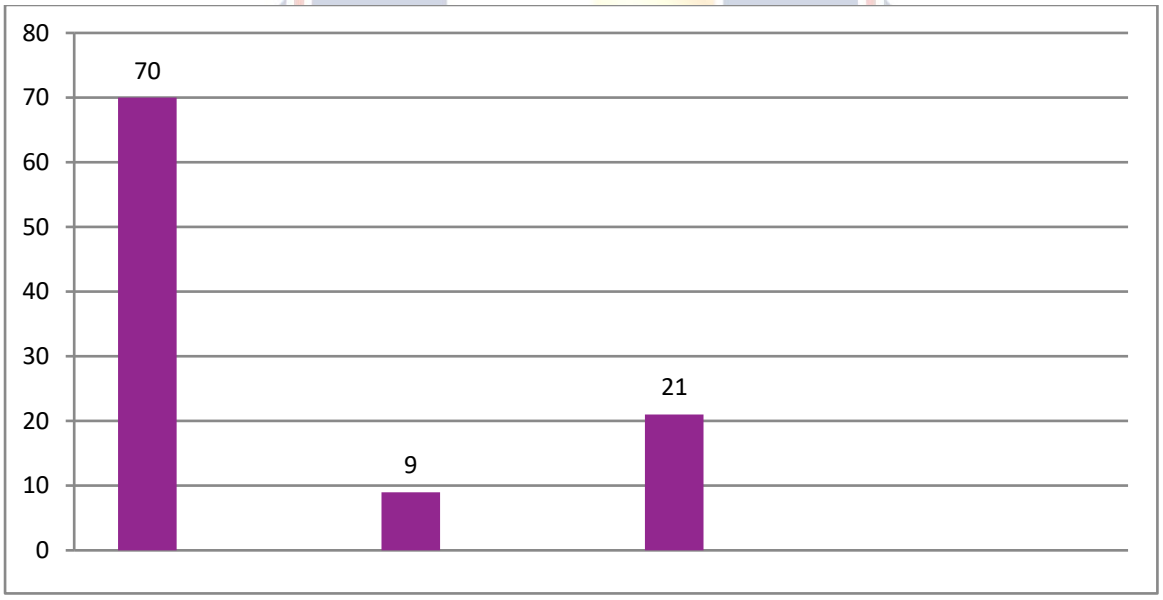

ग्राफ सं0– ख

निष्कर्ष–

उपरोक्त अध्ययन के पश्चात् उपरोक्त सारिणी सं0 1 से स्पष्ट होता है, कि अध्ययन में सम्मिलित 52 प्रतिशत उत्तरदात्रियों को उज्ज्वला योजना का लाभ मिला है। 13 प्रतिशत को लाभ नही मिला। 28 प्रतिशत उत्तरदात्रियों के पास पहले से ही सिलेण्डर उपलब्ध था, जबकि 7 प्रतिशत उत्तरदात्रियॉ पात्रता की श्रेणी में नही हैं। सारिणी सं0 2 में उज्ज्वला योजना से महिला स्वास्थ्य में सुधार के सन्दर्भ में उत्तरदात्रियों के विचार जाना गया तो निष्कर्ष निकला कि 70 प्रतिशत महिलाओं नें यह माना कि इस योजना से महिला के स्वास्थ्य में क्रान्तिकारी सुधार हुआ है। वहीं 9 प्रतिशत ने कहा कोई सुधार

नहीं हुआ है जबकि 21 प्रतिशत उत्तरदात्रियों नें कही कुछ कह नहीं सकते। अतः कहा जा सकता है, कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना नें श्रावस्ती जनपद के महिलाओं को काफी प्रभावित किया है इस योजना से महिलाओं के स्वास्थ्य व जीवन स्थिति में निरन्तर सुधार हो रहा है। यहॉ की महिलाओं नें इस योजना को न केवल कोटि–कोटि सराहा है, बल्कि इसको ऐसे अनवरत जारी रखनें की इच्छा भी जाहिर की हैं परन्तु कुछ पात्र वंचित महिलाएं नाखुश दिखी हैं इस हेतु अभी और कार्य किया जाना अपेक्षित है जिससे सभी पात्र महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल सके और वे भी खुशहाली पूर्वक जीवन यापन कर सकें। जिससे श्रावस्ती जनपद में महिला सशक्तिकरण को और गति मिल सके।

सुझाव–

बेशक सरकार नें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को फ्री गैस सिलेण्डर देकर उनके जीवन यापन में चार चॉद लगाया है परन्तु इसके शत प्रतिशत सफल होनें हेतु अभी कुछ और कार्य अपेक्षित हैं– जो महिलाएं इस योजना की पात्रता श्रेणी में आतीं हैं और उनको गैस सिलेण्डर नहीं मिला है उन्हें भी गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराकर लाभान्वित किया जाय। इस योजना का और प्रचार–प्रसार किया जाय। गैस वितरक एजेन्सियों पर समय–समय पर जिम्मेंदार अधिकारियों को भेजा जाय जिससे वहॉ पर लाभार्थियों को किसी दुविधा का सामना न करना पडे साथ ही अवैध धन उगाही व गैस के अवैध वितरण पर रोक लगाया जा सके। अगर ऐसा हो जाय तो यह योजना और कारगर साबित हो सकती है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1- https://censusofindia.gov.com
2- https://nicshrawasti.in
3- Goode and Hatt. (1952) ‘‘Methods of Social Research.’’ Mcgraw Hill Book Co, New York, p. 7.
4- Goode and Hatt. (1952) ‘‘Methods of Social Research.’’ Mcgraw Hill Book Co, New York, p. 10-20.
5- Young, Hsin Pao. ‘‘Fct People with Rural People.’’ p. 36-37.
6- Ahuja, Ram. (2015) ‘‘Social Research.’’ Rawat Publications, Jaipur, p.80-100.
7- Anand, V. (2018) ‘Two Year of Ujjwla Yojna: Dalits in Western UP.
8- Verma, S.K. (2020) ‘ Pradhanmantri Ujjwla Yojna ka mahilaon ke swasthya par prabhaw ka addhayan’ IJCRT page 3588-3591
9- Tripathi, Rajesh. (2023) ‘Pradhanmantri Ujjwala Yojna ka Greeb Mhilaon ke Jeewan par Prabhaw’ page no 156-160.
10- Devi, Raman (2017) ‘Pradhanmantri Ujjwala Yojna: Issues and Challenges’ IJARD page- 705-

Cite this Article:

डॉ0 वेद प्रकाश द्विवेदी,"महिला स्वास्थ्य सुधार में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का योगदान – उ0प्र0 के श्रावस्ती जनपद का एक समाजवैज्ञानिक अध्ययन" *Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 03, Issue 02, pp.114- 118, December 2025. Journal URL: https://shikshasamvad.com/*

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

डॉ0 वेद प्रकाश द्विवेदी

For publication of research paper title

'महिला स्वास्थ्य सुधार में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का योगदान – उ0प्र0 के श्रावस्ती जनपद का एक समाजवैज्ञानिक अध्ययन

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-03, Issue-02, Month December 2025, Impact Factor-RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://shikshasamvad.com/

DOI:- https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i2.17